3. हम भारतवासी

- आर.पी. 'निशंक'

अर्थग्राह्यता प्रतिक्रिया

अ) प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1) **यह गीत आपको कैसा लगा ? अपनी पसंद और नापसंद का कारण बताइए ।**

ज : 'हम भारतवासी' नामक यह गीत मुझे बहुत अच्छा लगा । यह देशभक्ति गीत है । यह गेय कविता है । इसमें सच्चे भारतवासियों की विशेषताओं के बारे में बताया गया है । यह कविता बच्चों में सत्य, अहिंसा, त्याग और समर्पण की भावना जागृत कर, उन्हें विश्व-बंधुत्व की ओर कदम बढ़ाने की प्रेरणा देती है । इन सभी कारणों से यह गीत मुझे अच्छा लगा ।

2) **दुनिया को 'पावन धाम' बनाने के लिए हम क्या-क्या कर सकते हैं ?**

ज : दुनिया को 'पावनधाम' बनाने के लिए हमें ऊँच-नीच का भेद मिटाना, नफरत को छोडकर दूसरों से प्रेम से रहना, निराशा को दूर करके आत्म विश्वास जगाना है । हमें सत्य, अहिंसा, त्याग, समर्पण की भावना समाज में फैलाना है । माने हमें दुनिया में विश्वबंधुत्व के मूल मंत्र से शांति को फैलाना है । तभी हम दुनिया को 'पावन धाम' बना सकते हैं ।

अभिव्यक्ति-सृजनात्मकता

अ) इन प्रश्नों के उत्तर तीन-चार पंक्तियों में लिखिए ।

1) **उलझनों से बचे रहने के लिए हमें कैसी सावधानियाँ लेनी चाहिए ?**

ज : उलझनों से बचे रहने के लिए हमें पहले वास्तविकता को पहचानना है । कल्पना में विचरित करते रहने से मनुष्य सच्चाई से दूर रहकर काल्पनिक लोक में ही रहता है । इसलिए हमें हमेशा उन लोगों को तथ्य दीप समझाना चाहिए । उलझनों के आने पर हमें धैर्य न खोना चाहिए । उनकी निराशा को दूरकर उनमें आत्म विश्वास भरना चाहिए । दिल में प्यार बसाना चाहिए ।

2) **आशावादी और निराशावादी के स्वभाव में क्या अंतर होता है ?**

ज : आशावादी : 1) आशावादी हमेशा आशा से रहता है । इसलिए उसका जीवन हमेशा उत्साह और सुखमय से रहता है । 2) सफलता पाने के लिए सब कुछ करता है और लक्ष्य पर आसानी से पहुँच सकता है । 3) वह उलझनों से कभी नहीं डरता ।
निराशावादी : 1) निराशावादी हमेशा निराशा में ही रहता है । उसमें आत्म विश्वास की भावना नहीं रहती । 2) एक असफलता से ही वह निराश होता है । इससे वह कुछ भी नहीं कर पाता । 3) वह हमेशा उलझनों से डर जाता है ।

आ) गीत में 'धरती को स्वर्ग' बनाने की बात कही गयी है । हम इसमें क्या सहयोग दे सकते हैं ?

ज : 'हम भारतवासी' गीत में धरती को स्वर्ग बनाने की बात कही गयी है । धरती को स्वर्ग बनाने के लिए हमें ऊँच-नीच का भेदभाव मिटाकर सब के दिलों में प्यार बरसाना चाहिए । हर एक के दिल में नफरत के स्थान पर प्रेम की धारा बहाना है । निराशा को दूर भगाकर लोगों में विश्वास जगाने की कोशिश करना है । काल्पनिक लोक में विचरित करनेवालों को वास्तविकता के बारे में समझाना है । लोगों में सत्य, अहिंसा, त्याग, समर्पण के भाव जगाकर उनमें विश्वबंधुत्व की भावना जगाना है । इस प्रकार संसार के सारे दु:खों को मिटाकर हम धरती को स्वर्ग बनाने में सहयोग दे सकते हैं ।

ई) सत्य, अहिंसा, त्याग आदि भावनाओं का हमारे जीवन में क्या महत्व है ?

ज : हर एक व्यक्ति के जीवन में सत्य, अहिंसा, त्याग आदि भावनाओं का महत्वपूर्ण स्थान हैं । जो व्यक्ति सत्य मार्ग पर चलता है, वह महान है । राजा हरिश्चंद्र की सत्य निष्ठा के कारण वे महाशय बने । गाँधीजी जैसे महान व्यक्ति अहिंसा को अपनाने के कारण वे महात्मा बने । भगवान ईसा ने दूसरों के पापों को मिटाने के लिए अपने प्राण त्याग दिये । जो सत्यव्रत स्वीकार करते हैं, वे अहिंसावादी अवश्य बनते हैं । जो व्यक्ति सत्य और अहिंसा का पालन करते हैं, वे अवश्य त्यागी बनते हैं । इस प्रकार हम कह सकते हैं कि सत्य, अहिंसा, त्याग आदि भावनाओं का हमारे जीवन में बडा महत्व है ।

उ) 'हम भारतवासी' कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

ज : **कवि परिचय :** 'हम भारतवासी' एक **कविता** पाठ है । यह एक **देश भक्ति गीत** भी है । इस कविता के कवि **रमेश पोखरियाल 'निशंक'** हैं । वे हिंदी के **आधुनिक कवि** हैं । प्रस्तुत कविता इनकी '**मातृभूमि के लिए**' संग्रह से ली गयी है ।इन्होंने समर्पण, नवंकुर, मुझे विधाता बनना है, तुम भी मेरे साथ चलो, जीवन पथ में, कोई मुश्किल नहीं आदि **रचनाएँ** लिखी हैं ।

सारांश : प्रस्तुत कविता में कवि ने देशभक्ति के साथ-साथ विश्व को पावन धाम बनाने के लिए भारतवासी क्या-क्या करना चाहते हैं, उनके बारे में वर्णन किया है ।

कवि कहते हैं कि हम भारतवासी दुनिया को पावन धाम बनायेंगे । मन में श्रद्धा और प्रेम का अद्भुत दृश्य दिखायेंगे । ऊँच-नीच का भेद मिटाकर मन में प्यार बसायेंगे । नफरत नामक कुहासा को तोडकर प्रेम रूपी अमृत रस सरसायेंगे । हर एक की निराशा को दूर कर उनमें विश्वास जगायेंगे ।

काल्पनिक लोकों में उलझने वालों को वास्तविकता के बारे में समझायेंगे । जीवन पथ में भटकने वालों को राह दिखायेंगे । उन सब में खुशियों के दीप जलाकर जीवन ज्योत जलायेंगे ।

हम भारतवासी इस दुनिया में सत्य, अहिंसा, त्याग और समर्पण की बगिया को महकायेंगे । सब कष्टों को मिटाकर धरती को स्वर्ग बनायेंगे । 'वसुधैक कुटुंबकम' की भावना व्याप्त कर विश्वबंधुत्व की भावना सरसायेंगे । इस प्रकार भारतवासी दुनिया को पावनधाम बनायेंगे ।

पाठ संबंधी प्रश्न

1) **ऊँच-नीच का भेद मिटाने के लिए हम क्या-क्या कर सकते हैं ?**

ज : ऊँच-नीच का भेद मिटाने के लिए हम कई कार्य कर सकते हैं । वे हैं - सब के प्रति मन में श्रद्धा और प्रेम बरसा सकते हैं । नफरत की भावना को दूर कर दिलों में प्यार जगा सकते हैं । निराशा को दूर भगाकर आत्म विश्वास भर सकते हैं । जो हमारे यहाँ आवश्यकता से अधिक है तो जरूरतमंदों को दे सकते हैं ।

2) **हमें अपने जीवन में कैसा पथ अपनाना चाहिए ?**

ज : हमें अपने जीवन में श्रद्धा और प्रेम से भरा तथ्य पथ को अपनाना चाहिए ।

3) **हम भटकने वालों को राह कैसे दिखा सकते हैं ?**

ज : हम भटकने वालों को सही रास्ता दिखा सकते हैं । निराशा से भटक रहे लोगों के दिल में आशा और खुशियों के दीप जलाकर अर्थात् उनके मन में उत्साह भरकर,उन्हें सही रास्ते पर लाने की कोशिश कर सकते हैं । उलझनों में उलझे हुए लोगों को हम वास्तविक जीवन पथ को दिखा सकते हैं ।

4) **सत्य, अहिंसा, त्याग और समर्पण की बगिया महकाने के लिए हम क्या-क्या कर सकते हैं ?**

ज : हमारे जीवन में सत्य, अहिंसा, त्याग और समर्पण आदि भावनाओं का बडा महत्व है । इन भावनाओं की बगिया महकाने के लिए हम जग के सारे क्लेश मिटाकर धरती को स्वर्ग बना सकते हैं ।

5) **विश्वबंधुत्व की भावना सारी दुनिया में आचरण में लाने के लिए क्या-क्या करना चाहेंगे ?**

ज : विश्वबंधुत्व की भावना सारी दुनिया में आचरण में लाने के लिए हम ये कार्य करना चाहते हैं । वे हैं - मन में श्रद्धा और प्रेम का अद्‌भुत दृश्य दिखायेंगे । ऊँच-नीच का भेद मिटाकर दिल में प्यार बसायेंगे । नफरत का कुहासा तोडकर अमृत रस सरसायेंगे । निराशा को दूर भगाकर विश्वास जगायेंगे । उलझन में उलझे लोगों को तथ्य दीप समझायेंगे । खुशियों के दीप जलाकर उनके जीवन में ज्योति जलायेंगे ।

6) **आर.पी. निशंक के बारे में तुम क्या जानते हो ?**

ज : हम भारतवासी' एक कविता पाठ है । इस कविता के कवि रमेश पोखरियाल 'निशंक' हैं । वे हिंदी के आधुनिक कवि हैं । प्रस्तुत कविता इनकी 'मातृभूमि के लिए' संग्रह से ली गयी है । इन्होंने समर्पण, नवंकुर, मुझे विधाता बनना है, तुम भी मेरे साथ चलो, जीवन पथ में, कोई मुश्किल नहीं आदि रचनाएँ लिखी हैं ।